

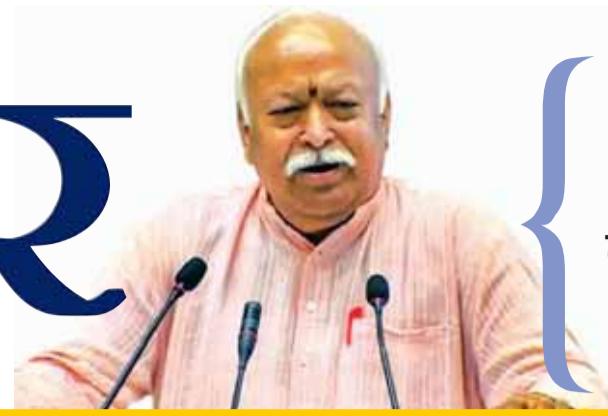


नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

देश के प्राचीन
ज्ञान का पता
लगाएं: भागवत
राष्ट्रीय-11



माफिया अतीक-अशरफ की हत्या

● प्रयागराज में
न्यायिक अभियान में
मारी गयी गोली, तीनों
हमलावार गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

गैंगस्टर से नेता बने अतीक अहमद और उसके खाइ अशरफ को शानदार रात को अज्ञात हमलावारों ने उस समय गोली मारकर हत्या कर दी जब पुलिस दोनों को बचाने एक मोड़कल लांबन लेकर जा रही थी। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि घटना के संबंध में तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। महज दो दिन पहले ही इसी में पुलिस मुठभेड़ में अहमद का बेटा अदर मार गया था। गोलीबारी की घटना रात करीब 11 बजे होके है जो कैमरे में दर्ज हो गई। अशरफ के मोड़कल जांच के लिए पुलिस द्वारा दोनों को अस्पताल ले जाये समय मीडियाकर्मी उनके साथ चल रहे थे।

सूत्रों के अनुसार, काल्विन अस्पताल के अकार्सिक चिकित्सा विभाग के सामने अधिकारी और अशरफ की तीन युवकों ने उस समय कर्बसे से गोली मारकर हत्या कर दी, जब अतीक अहमद से पत्रकर कुछ सवाल कर रहे थे। सूत्रों के अनुसार, इसी दौरान तीन लड़के वहाँ पहुंचे और उन्होंने अतीक तथा अशरफ पर



प्रयागराज में अतीक और उसके खाइ अशरफ पर हमलों के बाद पुलिस ने घटना स्थल की चारों ओर से की घेराबंदी लगायी है। पुलिस के अनुसार घटनास्थल पर तीन पिस्तौल, एक मोटर साइकिल, एक वीडियो कैमरा और एक न्यूज़ चैनल का लोगों पड़ा पड़ा मिला है। अंतर्णा कि तीनों हमलावार मीडियाकर्मी उनकर और अतीक अहमद के बेटे अदर अहमद से पत्रकर जांच कर रहे थे। सहायता के पुलिस आयुक्त (एसीपी) कर्तेवाली के बाद इसी विवरण को अस्पताल में अंजाम दिया। उन्होंने अपने गले में जानवान पत्र भी लगा कर रखे थे।

सनसनीखेज हत्या के बाद इलाके में तनाव है। अहमद एवं अशरफ के बताया कि तीनों आरोपियों को पकड़ लिया गया है और उनसे पूछताला की जा रही है। हालांकि उन्होंने अन्य कोई

तर्भी यह घटना हुई। उन्होंने यह भी बताया कि तीनों आरोपियों को पकड़ लिया गया है और उनसे पूछताला की जा रही है। अभियानकारी भाइ और अशरफ को 2005 के उमेर पाल में उनको जांच कर रहे थे।

प्रयागराज में अतीक और उसके खाइ अशरफ के बाद इलाके में तनाव है। अहमद एवं अशरफ के बताया कि तीनों आरोपियों को पकड़ लिया गया है और उनसे पूछताला की जा रही है। अभियानकारी भाइ और अशरफ को 2005 के उमेर पाल में उनको जांच कर रहे थे।

उन्होंने अपने उसकर्मी को अदर अहमद से पत्रकर जांच कर रहे थे।

उन्होंने अपने उसकर्मी को अदर अहमद से पत्रकर जांच कर रहे थे।

उन्होंने अपने उसकर्मी को अदर अहमद से पत्रकर जांच कर रहे थे।

उन्होंने अपने उसकर्मी को अदर अहमद से पत्रकर जांच कर रहे थे।

उन्होंने अपने उसकर्मी को अदर अहमद से पत्रकर जांच कर रहे थे।

उन्होंने अपने उसकर्मी को अदर अहमद से पत्रकर जांच कर रहे थे।

उन्होंने अपने उसकर्मी को अदर अहमद से पत्रकर जांच कर रहे थे।

उन्होंने अपने उसकर्मी को अदर अहमद से पत्रकर जांच कर रहे थे।

उन्होंने अपने उसकर्मी को अदर अहमद से पत्रकर जांच कर रहे थे।

उन्होंने अपने उसकर्मी को अदर अहमद से पत्रकर जांच कर रहे थे।

उन्होंने अपने उसकर्मी को अदर अहमद से पत्रकर जांच कर रहे थे।

उन्होंने अपने उसकर्मी को अदर अहमद से पत्रकर जांच कर रहे थे।

उन्होंने अपने उसकर्मी को अदर अहमद से पत्रकर जांच कर रहे थे।

उन्होंने अपने उसकर्मी को अदर अहमद से पत्रकर जांच कर रहे थे।

उन्होंने अपने उसकर्मी को अदर अहमद से पत्रकर जांच कर रहे थे।

उन्होंने अपने उसकर्मी को अदर अहमद से पत्रकर जांच कर रहे थे।

उन्होंने अपने उसकर्मी को अदर अहमद से पत्रकर जांच कर रहे थे।

उन्होंने अपने उसकर्मी को अदर अहमद से पत्रकर जांच कर रहे थे।

उन्होंने अपने उसकर्मी को अदर अहमद से पत्रकर जांच कर रहे थे।

उन्होंने अपने उसकर्मी को अदर अहमद से पत्रकर जांच कर रहे थे।

उन्होंने अपने उसकर्मी को अदर अहमद से पत्रकर जांच कर रहे थे।

उन्होंने अपने उसकर्मी को अदर अहमद से पत्रकर जांच कर रहे थे।

उन्होंने अपने उसकर्मी को अदर अहमद से पत्रकर जांच कर रहे थे।

उन्होंने अपने उसकर्मी को अदर अहमद से पत्रकर जांच कर रहे थे।

उन्होंने अपने उसकर्मी को अदर अहमद से पत्रकर जांच कर रहे थे।

उन्होंने अपने उसकर्मी को अदर अहमद से पत्रकर जांच कर रहे थे।

उन्होंने अपने उसकर्मी को अदर अहमद से पत्रकर जांच कर रहे थे।

उन्होंने अपने उसकर्मी को अदर अहमद से पत्रकर जांच कर रहे थे।

उन्होंने अपने उसकर्मी को अदर अहमद से पत्रकर जांच कर रहे थे।

उन्होंने अपने उसकर्मी को अदर अहमद से पत्रकर जांच कर रहे थे।

उन्होंने अपने उसकर्मी को अदर अहमद से पत्रकर जांच कर रहे थे।

उन्होंने अपने उसकर्मी को अदर अहमद से पत्रकर जांच कर रहे थे।

उन्होंने अपने उसकर्मी को अदर अहमद से पत्रकर जांच कर रहे थे।

उन्होंने अपने उसकर्मी को अदर अहमद से पत्रकर जांच कर रहे थे।

उन्होंने अपने उसकर्मी को अदर अहमद से पत्रकर जांच कर रहे थे।

उन्होंने अपने उसकर्मी को अदर अहमद से पत्रकर जांच कर रहे थे।

उन्होंने अपने उसकर्मी को अदर अहमद से पत्रकर जांच कर रहे थे।

उन्होंने अपने उसकर्मी को अदर अहमद से पत्रकर जांच कर रहे थे।

उन्होंने अपने उसकर्मी को अदर अहमद से पत्रकर जांच कर रहे थे।

उन्होंने अपने उसकर्मी को अदर अहमद से पत्रकर जांच कर रहे थे।

उन्होंने अपने उसकर्मी को अदर अहमद से पत्रकर जांच कर रहे थे।

उन्होंने अपने उसकर्मी को अदर अहमद से पत्रकर जांच कर रहे थे।

उन्होंने अपने उसकर्मी को अदर अहमद से पत्रकर जांच कर रहे थे।

उन्होंने अपने उसकर्मी को अदर अहमद से पत्रकर जांच कर रहे थे।

उन्होंने अपने उसकर्मी को अदर अहमद से पत्रकर जांच कर रहे थे।

उन्होंने अपने उसकर्मी को अदर अहमद से पत्रकर जांच कर रहे थे।

उन्होंने अपने उसकर्मी को अदर अहमद से पत्रकर जांच कर रहे थे।

उन्होंने अपने उसकर्मी को अदर अहमद से पत्रकर जांच कर रहे थे।

उन्होंने अपने उसकर्मी को अदर अहमद से पत्रकर जांच कर रहे थे।

उन्होंने अपने उसकर्मी को अदर अहमद से पत्रकर जांच कर रहे थे।

उन्होंने अपने उसकर्मी को अदर अहमद से पत्रकर जांच कर रहे थे।

उन्होंने अपने उसकर्मी को अदर अहमद से पत्रकर जांच कर रहे थे।

उन्होंने अपने उसकर्मी क

अफजाल-मुख्तार के गैंगस्टर मामले में फैसले की बढ़ी तारीख

गाजीपुर। जनपद के बीएसपी सांसद अफजाल अंसरी और बाहुबली मुख्तार अंसरी के खिलाफ चल रहे गैंगस्टर मामले में 15 अप्रैल को फैसला आना था लेकिन न्यायाधीश के अवकाश पर रहने के कारण 29 अप्रैल को अमांत्री तारीख तय की गई है। साल 2007 में गाजीपुर के सांसद अफजाल अंसरी और उनके भाई मुख्तार अंसरी पर गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। यह मुकदमा विधायक कृष्णानंद राय की 29 नवंबर 2005 को हुई हत्या को आधार बनाते हुए किया गया था। साथ ही मुख्तार अंसरी पर विधायक कृष्णानंद राय की हत्या के अलावा रुटंगा के अपहरण एवं हत्या का भी मामला शामिल था। अपर सत्र



न्यायाधीश चतुर्थ व मुख्तार अंसरी पर शनिवार को फैसला सुनाया जाएगा। एक 16 वर्ष पुराने गैंगस्टर एक्ट के अप्रैल को बहस पूरी होने के बाद न्यायालय ने फैसला सुनिश्चित कर लिया था। मालूम हो कि 22

नवंबर 2007 को मुहम्मदाबाद पुलिस ने विभिन्न मामलों में हुए चार्ट में सांसद अफजाल अंसरी और मुख्तार अंसरी को शामिल कर गिराह बंद अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया था। 23 सितंबर 2022 को अफजाल एवं मुख्तार के विद्धु अपरोग न्यायालय में तय किया गया था। बदला के लिए कई तिथियां डालने के बाद एक अप्रैल को अफजाल अंसरी की ओर से बहस पूरी हुई। इसके बाद दूसरे दिन गैंगस्टर के मामले में मुख्तार अंसरी की ओर से बहस पूरी हुई। जिसको लेकर न्यायालय ने शनिवार 15 अप्रैल फैसला देने वाला था परंतु अब न्यायालय ने फैसला सुनाने की तिथि 29 अप्रैल नियत की है।

मुठभेड़ में शातिर घायल साथी बदमाश गिरफ्तार

गाजीपुर। जनपद में शुक्रवार को प्रधारी निरीक्षक को तोवाली भूत्हियाताड़ पर मय टीम चौकंग कर रहे थे कि रात्रि 11:15 सूचना मिली की एक बाइक सवार दो बदमाश सप्रात ढारा की तरफसे आते हुए दिखाई दिये। उक्त बदमाशों को पुलिस टीम द्वारा रोकने का इशारा किया गया तो बदमाशों द्वारा जन माने की नीतय से पुलिस टीम पर फ़र करते हुए शादियाबाद की तरफ भागने लगे जिनकी सूचना प्रसारित करते हुए पीछा किया गया तो मौरानुप हावे मोड़ के पास 30N0 शिवाकान मिश्रा द्वारा शिवाकान कर्कने पीछा किया गया। भूत्हियाताड़ मोड़ रिहाई मौजूद स्थान टीम द्वारा उक्त सूचना के काम में घेवानी की गयी भौत्हियापुर सँक्का हावे के पास बदमाशों द्वारा अपेक्षा को घिरता हुआ देख पुलिस टीम पर जनेवा हमला व प्रयारिंद किया गया। अत्यंपत्ता में जबाबी कार्यवाही करते हुए एक बदमाश को गोली लग गयी और मौके से एक बदमाश अंदेरे में भागने का प्रयास किया जिसका घेर कर पुलिस टीम द्वारा यह तमंचे के साथ द्वारा लिया गया। घायल बदमाश को इलाज के अस्पताल भेजा गया। घायल बदमाश यथान कोतवाली व थाना सुधूवल में हुई हत्या के मामले से वार्तिंत अधिकृत है। घायल बदमाश अभियुक्त का नाम जिवेक राय उर्फ रावण पुत्र मुझा राय निंग्राम गुड़आमक सुदूरपुर थाना सुधूवल जनपद है। पकड़ गये बदमाश का नाम शशिभूषण शर्मा उर्फ भौत्तु पुत्र श्राकात शमा नियत 30N0 प्रधारी ग्राम गुड़आमक सुदूरपुर थाना सुधूवल जनपद है।

मुजफ्फरनगर जिला जेल में न्यायाधीश कैदी की मौत मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर जिला जेल में चलते मौत हो गई। जेल अधीक्षक सिंह (50) की बीमारी के कालते मौत हो गई। जेल अधीक्षक सीता राम शर्मा के अनुसार, सिंह ने शुक्रवार शाम सीता में दर्द की शिकायत की थी, जिसके बाद उसे तुलत जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

आरेडिका में मनायी गई अम्बेडकर जयंती



गाजीपुर। आम्बेडकर जी की 132 वीं जयंती का आयोजन प्रशासनिक भवन के संग्रहीत कक्ष में दिया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अधिकारी आरेडिका के महाप्रबादी श्री धीरेश शाह द्वारा दिया गया। भूत्हियाताड़ मोड़ रिहाई मौजूद स्थान टीम द्वारा उक्त सूचना के काम में घेवानी की गयी भौत्हियापुर सँक्का हावे के पास बदमाशों द्वारा अपेक्षा को घिरता हुआ देख पुलिस टीम पर जनेवा हमला व प्रयारिंद किया गया। अत्यंपत्ता में जबाबी कार्यवाही करते हुए एक बदमाश को गोली लग गयी और मौके से एक बदमाश अंदेरे में भागने का प्रयास किया जिसका घेर कर पुलिस टीम द्वारा यह तमंचे के साथ द्वारा लिया गया। घायल बदमाश को इलाज के अस्पताल भेजा गया। घायल बदमाश यथान कोतवाली व थाना सुधूवल में हुई हत्या के मामले से वार्तिंत अधिकृत है। घायल बदमाश अभियुक्त का नाम जिवेक राय उर्फ रावण पुत्र मुझा राय निंग्राम गुड़आमक सुदूरपुर थाना सुधूवल जनपद है।

मुजफ्फरनगर जिला जेल में न्यायाधीश कैदी की मौत

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर जिला जेल में चलते मौत हो गई। जेल अधीक्षक सिंह (50) की बीमारी के कालते मौत हो गई। जेल अधीक्षक सीता राम शर्मा के अनुसार, सिंह ने शुक्रवार शाम सीता में दर्द की शिकायत की थी, जिसके बाद उसे तुलत जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

आरेडिका महाप्रबंधक ने किया जल संरक्षण बिन्दुओं का निरीक्षण

गाजीपुर। आम्बेडकर जी की 132 वीं जयंती का आयोजन प्रशासनिक भवन के संग्रहीत कक्ष में दिया गया। एक अम्बेडकर जी के लिए जीवन पर नामांकन का आवश्यक अधिकारी आरेडिका के महाप्रबादी श्री धीरेश शाह द्वारा दिया गया। इस अवसर पर श्री धीरेश शाह द्वारा जीवन पर नामांकन का आवश्यक अधिकारी आरेडिका के महाप्रबादी श्री धीरेश शाह द्वारा दिया गया। अत्यंपत्ता में जबाबी कार्यवाही करते हुए एक बदमाश को गोली लग गयी और मौके से एक बदमाश अंदेरे में भागने का प्रयास किया जिसका घेर कर पुलिस टीम द्वारा यह तमंचे के साथ द्वारा लिया गया। घायल बदमाश को इलाज के अस्पताल भेजा गया। घायल बदमाश यथान कोतवाली व थाना सुधूवल में हुई हत्या के मामले से वार्तिंत अधिकृत है। घायल बदमाश अभियुक्त का नाम जिवेक राय उर्फ रावण पुत्र मुझा राय निंग्राम गुड़आमक सुदूरपुर थाना सुधूवल जनपद है।

आरेडिका महाप्रबंधक ने किया जल संरक्षण बिन्दुओं का निरीक्षण

गाजीपुर। आम्बेडकर जी की 132 वीं जयंती का आयोजन प्रशासनिक भवन के संग्रहीत कक्ष में दिया गया। एक अम्बेडकर जी के लिए जीवन पर नामांकन का आवश्यक अधिकारी आरेडिका के महाप्रबादी श्री धीरेश शाह द्वारा दिया गया। इस अवसर पर श्री धीरेश शाह द्वारा जीवन पर नामांकन का आवश्यक अधिकारी आरेडिका के महाप्रबादी श्री धीरेश शाह द्वारा दिया गया। अत्यंपत्ता में जबाबी कार्यवाही करते हुए एक बदमाश को गोली लग गयी और मौके से एक बदमाश अंदेरे में भागने का प्रयास किया जिसका घेर कर पुलिस टीम द्वारा यह तमंचे के साथ द्वारा लिया गया। घायल बदमाश को इलाज के अस्पताल भेजा गया। घायल बदमाश यथान कोतवाली व थाना सुधूवल में हुई हत्या के मामले से वार्तिंत अधिकृत है। घायल बदमाश अभियुक्त का नाम जिवेक राय उर्फ रावण पुत्र मुझा राय निंग्राम गुड़आमक सुदूरपुर थाना सुधूवल जनपद है।

आरेडिका महाप्रबंधक ने किया जल संरक्षण बिन्दुओं का निरीक्षण

गाजीपुर। आम्बेडकर जी की 132 वीं जयंती का आयोजन प्रशासनिक भवन के संग्रहीत कक्ष में दिया गया। एक अम्बेडकर जी के लिए जीवन पर नामांकन का आवश्यक अधिकारी आरेडिका के महाप्रबादी श्री धीरेश शाह द्वारा दिया गया। इस अवसर पर श्री धीरेश शाह द्वारा जीवन पर नामांकन का आवश्यक अधिकारी आरेडिका के महाप्रबादी श्री धीरेश शाह द्वारा दिया गया। अत्यंपत्ता में जबाबी कार्यवाही करते हुए एक बदमाश को गोली लग गयी और मौके से एक बदमाश अंदेरे में भागने का प्रयास किया जिसका घेर कर पुलिस टीम द्वारा यह तमंचे के साथ द्वारा लिया गया। घायल बदमाश को इलाज के अस्पताल भेजा गया। घायल बदमाश यथान कोतवाली व थाना सुधूवल में हुई हत्या के मामले से वार्तिंत अधिकृत है। घायल बदमाश अभियुक्त का नाम जिवेक राय उर्फ रावण पुत्र मुझा राय निंग्राम गुड़आमक सुदूरपुर थाना सुधूवल जनपद है।

आरेडिका महाप्रबंधक ने किया जल संरक्षण बिन्दुओं का निरीक्षण

गाजीपुर। आम्बेडकर जी की 132 वीं जयंती का आयोजन प्रशासनिक भवन के संग्रहीत कक्ष में दिया गया। एक अम्बेडकर जी के लिए जीवन पर नामांकन का आवश्यक अधिकारी आरेडिका के महाप्रबादी श्री धीरेश शाह द्वारा दिया गया। इस अवसर पर श्री धीरेश शाह द्वारा जीवन पर नामांकन का आवश्यक अधिकारी आरेडिका के महाप्रबादी श्री धीरेश शाह द्वारा दिया गया। अत्यंपत्ता में जबाबी कार्यवाही करते हुए एक बदमाश को गोली लग गयी और मौके से एक बदमाश अंदेरे में भागने का प्रयास किया जिसका घेर कर पुलिस टीम द्वारा यह तमंचे के साथ द्वारा लिया गया। घायल बदमाश को इलाज के अस्पताल भेजा गया। घायल बदमाश यथान कोतवाली व थाना सुधूवल में हुई हत्या के मामले से वार्तिंत अधिकृत है। घायल बदमाश अभियुक्त का नाम जिवेक राय उर्फ रावण पुत्र मुझा राय निंग्राम गुड़आमक सुदूरपुर थाना सुधूवल जनपद है।

आरेडिका महाप्रबंधक ने किया जल संरक्षण बिन्दुओं का निरीक्षण

गाजीपुर। आम्बेडकर जी की 132 वीं जयंती का आयोज

हाई फाई पार्टी के राज

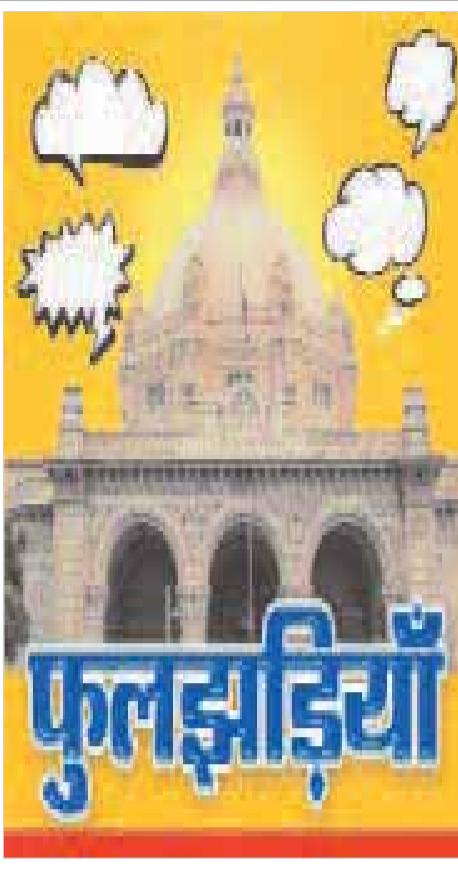
पि छले दिनों एक संस्थान में कानून की पढ़ाई करने वाले छात्रों द्वारा रात्रि में हाई फाई पार्टी का आयोजन किया गया था। इस पार्टी में धुमों के उड़ाने के बीच कॉटेल सहित वो सारी नशीलों जैसे मौजूद थीं जो बिंगड़ेलजादों का परिचय करने लिए कानून होती है। इस पार्टी में एक माननीय के घर की लड़की भी शामिल थीं। पार्टी में न जाने उसको ड्रास दी गई थी कानून का असर वह पार्टी में ही हो गया। अनान फान में उसे एक अस्पताल में से जाया गया जहाँ से उसे हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया। शहर के फेमस सेंटर में तीन दिन तक लड़की कोमा में रही। चौथे दिन किसी तरह से वह होश में आई। इस बीमा माननीय ने अपने प्रभाव का इस्तेमाल करते हुए पार्टी की सारी बांडियों वहाँ तक की एक एक लड़के का मोबाइल लेकर फाटो तक डिलीट करा दी जिससे कोई इन्हें सोशल मीडिया पर न डाल सके। इस दौरान माननीय ने धधमी की भी दे दी कि बात बाहर रह तो खोर नहीं। मामला दब भी जाता लेकिन इस बीच संस्थान में ही आंदोलन हो गया। दीवी बात लेकिन इस बीच संस्थान में ही आंदोलन हो गया। दीवी बात लेकिन इस बीच संस्थान में ही आंदोलन हो गया। लोगों ने बताया कि यहाँ पार्टीया आप बात है। कोई हस्तक्षेप भी करना चाहे तो नहीं कर सकता है। सम्भव है हारासेंटर का आरोप



हम तो भैया चुप्पे चाप

इसको अनुभव ही कहेंगे कि छाल फूंक कर पियो और आग में मत लड़ो। चाचा ने भी यही किया। कोई बयान बाजी नहीं। बस चुप्पे साथे रहो। वहाँ दूसरी ओर भतीजा जो जिसे बांगे बोले चैन नहीं आता। खुद तो बयान बाजी की ही सांसद पत्ती से भी करा दी। बीते एक दशक से पूरा कुनबा गर्भ में चलता चला जा रहा। हार पर हार मिल रही है पर उसकी कोई चिंता नहीं। धधकती आग में हवन करने में जुट गए। ऐसी स्थिति में हाथ जलना स्वाभाविक ही है। इसी को कहते हैं अनुभव की कमी। जब तक राजनीति के महा अनुभव बाल पिताजी थे तब तो उनसे लड़ने में समय बिता दिया और चाचा को कुछ समझ नहीं। तो अब चाचा कहे जान दें। बचा चाचा ने इस मामले में खुद ही चुप्पी साथ ली। न काढ़ से दोस्ती न काढ़ से बैर। चलना को आज कई दिन हो गए, फिर भी चाचा की तरफ से कोई बयान नहीं आया। वहीं भतीजा है वह बड़ा बयान बहाहुर है। कभी जांच की मांग करता है तो कभी तथाक्षित अपराधियों की सूची जारी करता है।

ही लगा दें। इचलिये बिंगड़ेलजादों से कोई कुछ भी नहीं बोलता है।



फुलझड़ियाँ

कैसे संभालूँ

ऐसे साहब को बीआईपी क्षेत्र से आने के बाद नगर निगम की जिम्मेदारी तो मिल गयी लेकिन वह जिम्मेदारी को संभाल नहीं पारे हैं। बेचारे छोटे साहब को एक पारफूल महिला अधिकारी सुबह पांच बजे ही उठा देती है। क्षेत्र में एटी लार्वा, फार्मिंग और कूलर चेक करने में जुटा देती हैं तो दूसरी महिला चुनावी वर्ष होने के कारण दिन में मीटिंग और बांडों के कार्यक्रमों में बुलावा भेज देती हैं। सुबह से साहब को तौ दौड़ते होते साहब की सामंज उड़ान रही है। बेचारे! छोटे साहब पूरे दिन यहाँ वहाँ भटकते फिरते हैं। अपने विभाग को समय ही नहीं दे पारे हैं। इसी को आज दिन कर्मचारी नेता भी बड़े साहब से अपनी नाराजगी भी उड़ान रही है और लंबित मामों समाने रख रहे हैं तो दूसरी ओर ठेकेदार भुगतान न करने पर विकास कार्य टप करने का अल्टोनेट दे रहे हैं। अब दो पांडों के बीच में बड़े साहब फंस चुके हैं। वह सोचते कुछ और हैं, करना कुछ और पड़ रहा है। ऊपर से खलाह सफाई व्यवस्था जो पट्टी पर आई थी फिर बिंगड़ेल लौटी है। इनको कुछ समझ नहीं आ रहा है जबकि नार निगम विभाग को देखने के लिए पांच पांच घंटाएँ हैं फिर भी उसी नार निगम को स्वच्छता सर्वेक्षण में टॉप टेन शहर में नहीं लापारे हैं।

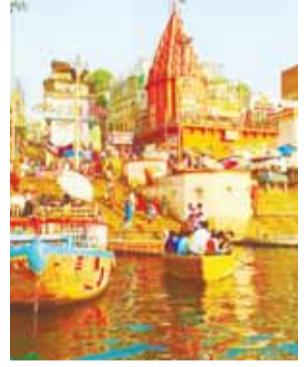
चलो शहनाई तो बजी

न गर निकाय के आरक्षण ने भले ही कई लोगों के चुनाव लड़ने के सम्पन्नों को तोड़ दिया हो लेकिन कुछ ऐसे भी हैं जिन्होंने इसके बखूबी तोड़ दिया हो लेकिन कुछ चाकू के लिए प्रसिद्ध रह जिले से संवाध देश को सबसे पुणी भारी के एक देश होता है जिन्होंने परिस्थितियों से हार नहीं माना। दरअसल लंबे समय से अपनी पार्टी के निश्चावन रहे नेताजी ने इस बार नगर पालिका के चेयरमैन पद पर चुनाव लड़ने की तैयारी की। काफी समय पूर्व से ही वह अपने क्षेत्र में जी जान से उड़े हुए थे मगर निकाय की बीमांशु के साथ ही उकास टूट गया। उनकी सीधी महिला के लिए आरक्षित हो गई। दिक्षित सामने यह थी कि 45 वर्षीय नेताजी ने अपनी तक विवाह भी किया है कि अपनी पली को ही मैत्रा में उतार देत। उके समर्थक भी उदास हो गए कि अब कुछ नहीं होने वाला लेकिन नेताजी ने सबको उस समय हत्प्रभ कर दिया जब नामांकन से पहले ही उहोंने अपने लिए एक दुल्हन खोज निकाली। अब वह उससे निकाय करके उसे चुनाव लड़ाने की पूरी तैयारी में है। अब देखना यह है कि पार्टी उको पली को टिक्का देती है कि नहीं? क्या उनको पली चुनाव लड़ पाएंगी? चुनाव में जीत होगी कि हार? यह सब सवाल तो अपनी जगह लेकिन उनके समर्थक इसी बात से खुश है कि कम से कम चुनाव के बहाने इस उम्र में नेताजी का विवाह तो हो जाएगा।

10 हजार करोड़ से स्मार्ट बनेंगे यूपी के शहर

● दो हजार करोड़ से 10 शहरों की निगहबानी कर रहे इंटीग्रेटेड कार्नांड एंड कंट्रोल सेंटर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ



शहरों में शामिल हैं। इसके अलावा टेक्नोलॉजी के जरिए शहरों को सुक्षम की भी पुस्तक करने में काफी मदद मिलती है। ग्रामका के अनुसार ग्रेड के शहरों को स्मार्ट बनाने के लिए केंद्र और प्रदेश सरकार की ओर से 10124 करोड़ रुपए की 542 परियोजनाएं चल रही हैं। इनमें से भी 457 करोड़ रुपए के 343 कार्य पूर्ण हो चुके हैं जबकि 199 कार्य तय गति से पूर्ण किये जा रहे हैं। इसमें भी 2000 करोड़ की लागत से प्रदेश के 10 शहर आगरा, अलीगढ़, बरेली, झारपुर, कानपुर, लखनऊ, मुमुक्षुवाद, प्रयागराज, सहारनपुर और बाराणसी में अप्रैल हुए। इनकी ओर से अप्रैल के लिए इंटीग्रेटेड कार्नांड एंड कंट्रोल सेंटर (आईसीसीसी) द्वारा इंटीग्रेटेड कार्नांड में जैसे भी सिस्टम (आईटीएप्सएस) को एकिंवरेट किया गया है।

शहरों को सुरक्षित रखने में अद्यतन आधारित स्मार्ट सिस्टम (मददगारी आईसीसीसी): 2019 के प्रयागराज कृष्ण और उसके बाद सरकार ने बातों को लागत में अपर्याप्त विभिन्न विभागों की देखता रहा। इनकी ओर से अप्रैल के लिए इंटीग्रेटेड कार्नांड एंड कंट्रोल सेंटर से अप्रैल के लिए इंटीग्रेटेड कार्नांड की देखता रहा। इनकी ओर से अप्रैल के लिए इंटीग्रेटेड कार्नांड में जैसे भी सिस्टम (आईटीएप्सएस) को एकिंवरेट किया गया है।

शहरों को सुरक्षित रखने में अद्यतन आधारित स्मार्ट सिस्टम (मददगारी आईसीसीसी): 2019 के प्रयागराज कृष्ण और उसके बाद सरकार ने बातों को लागत में अपर्याप्त विभिन्न विभागों की देखता रहा। इनकी ओर से अप्रैल के लिए इंटीग्रेटेड कार्नांड एंड कंट्रोल सेंटर से अप्रैल के लिए इंटीग्रेटेड कार्नांड की देखता रहा। इनकी ओर से अप्रैल के लिए इंटीग्रेटेड कार्नांड में जैसे भी सिस्टम (आईटीएप्सएस) को एकिंवरेट किया गया है।

शहरों में शामिल हैं। इसके अलावा टेक्नोलॉजी के जरिए शहरों को सुक्षम की भी पुस्तक करने में काफी मदद मिलती है। ग्रामका के अनुसार ग्रेड के शहरों को स्मार्ट बनाने के लिए केंद्र और प्रदेश सरकार की ओर से 10124 करोड़ रुपए की 542 परियोजनाएं चल रही हैं। इनमें से भी 457 करोड़ रुपए के 343 कार्य पूर्ण हो चुके हैं जबकि 199 कार्य तय गति से पूर्ण किये जा रहे हैं। इसमें भी 2000 करोड़ की लागत से प्रदेश के 10 शहर आगरा, अलीगढ़, बरेली, झारपुर, कानपुर, लखनऊ, मुमुक्षुवाद, प्रयागराज, सहारनपुर और बाराणसी में अप्रैल हुए। इनकी ओर से अप्रैल के लिए इंटीग्रेटेड कार्नांड में जैसे भी सिस्टम (आईटीएप्सएस) को एकिंवरेट किया गया है।

शहरों को सुरक्षित रखने में अद्यतन आधारित स्मार्ट सिस्टम (मददगारी आईसीसीसी): 2019 के प्रयागराज कृष्ण और उसके बाद सरकार ने बातों को लागत में अपर्याप्त विभिन्न विभागों की देखता रहा। इनकी ओर से अप्रैल के लिए इंटीग्रेटेड कार्नांड एंड कंट्रोल सेंटर से अप्रैल के लिए इंटीग्रेटेड कार्नांड की देखता रहा। इनकी ओर से अप्रैल के लिए इंटीग्रेटेड कार्नांड में जैसे भी सिस्टम (आईटीएप्सएस) को एकिंवरेट किया गया है।

शहरों में शामिल हैं। इसके अलावा टेक्नोलॉजी के जरिए शहरों को सुक्षम की भी पुस्तक करने में काफी मदद मिलती है। ग्रामका के अनुसार ग्रेड के शहरों को स्मार्ट बनाने के लिए केंद्र और प्रदेश सरकार की ओर से 10124 करोड़ रुपए की 542 परियोजनाएं चल रही हैं। इनमें से भी 457 करोड़ रुपए के 343 कार्य पूर्ण हो चुके हैं जबकि 199 कार्य तय गति से पूर्ण किये जा रहे हैं। इसमें भी 2000 करोड़ की लागत से प्रदेश के 10 शहर आगरा, अलीगढ़, बरेली, झारपुर, कानपुर, लखनऊ, मुमुक्षुवाद, प्रयागराज, सहारनपुर और बाराणसी में अप्रैल हुए। इनकी ओर से अप्रैल के लिए इंटीग्रेटेड कार्नांड में जैसे भी सिस्टम (आई

